# गांजा पीना सेहत के लिए घातक

**गांजे के धुएं में कई विषैले रसायन मौजूद होते हैं। गांजा पीने वाले ज़्यादा गहरे कश लेते हैं और धुएं को चार गुना ज़्यादा समय तक अपने फेफड़ों में रोके रखते हैं।**

तंबाकू का धुआं सेहत के लिए नुकसानदायक होता है, लेकिन गांजे का धुआं भी कम घातक नहीं है। गांजे के धुएं में कई विषाक्त रसायन मौजूद होते हैं। इसके अत्यधिक सेवन से मृत्यु तक हो सकती है। गांजा पीने वाले इसके धुएं को चार गुना ज़्यादा समय तक अपने फेफड़ों में रोके रखते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक होता है।

यह जानकारी उपलब्ध है कि तंबाकू के धुएं में 4 हज़ार से ज़्यादा रसायन मौजूद होते हैं, जिनमें से कई विषैले हैं। लेकिन गांजे में उपस्थित रसायनों की ऐसी कोई सूची उपलब्ध नहीं है। इसके बारे में कनाडा के डेविड मोर और उनके साथियों ने एक अध्ययन किया। उन्होंने एक मशीन ली जिससे सिगरेट और तंबाकू से निकलने वाले धुएं का मात्रात्मक रासायनिक विश्लेषण किया जा सकता है।

उन्होंने पाया कि गांजे के धुएं में तंबाकू के धुएं से 20 गुना ज़्यादा अमोनिया और 5 गुना ज़्यादा हाइड्रोजन सायनाइड तथा नाइट्रोजन के ऑक्साइड होते हैं।

गौरतलब है कि नाइट्रोजन के ऑक्साइड हमारे शरीर के रक्त संचार और प्रतिरक्षा तंत्र को प्रभावित करते हैं। गांजे में नाइट्रोजन के ऑक्साइड्स पांच गुना अधिक होंगे तो आप समझ ही सकते हैं कि इसके सेवन से सेहत पर कितना खतरनाक असर पड़ेगा।

इस प्रयोग से 'साइडस्ट्रीम स्मोक' यानी धूम्रपान करने वाले के आस-पास बैठने वालों में पहुंचने वाले धुएं की मात्रा का भी अध्ययन किया गया।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि धूम्रपान करने वाले जितना धुआं खींचते है उसका 85 प्रतिशत धुआं आसपास बैठे लोगों के शरीर में भी पहुंचता है। यह अनुपात थोड़ा कम-ज़्यादा हो सकता है। दोनों धुओं में रसायनों की मात्रा अलग-अलग होती है क्योंकि धूम्रपान करने वाला व्यक्ति धुएं को जलती अंगार में से खींचता है।

कहा जाता है कि 'साइडस्ट्रीम स्मोक' में सारे रसायनों की मात्रा सीधे खींचे गए धुएं की अपेक्षा अधिक होती है, सिवाय पोलीसायक्लिक एरोमैटिक पदार्थों के जो प्रत्यक्ष धुएं में ज़्यादा होते हैं। इससे यह पता चलता है कि धूम्रपान करने वाले के साथ-साथ उसके आस-पास बैठने वालों में भी धुएं में मौजूद हानिकारक पदार्थों का असर होता है।

इस अध्ययन से यह भी पता चला है कि गांजे में भी वही कैंसरकारी पदार्थ मौजूद हैं जो तंबाकू के धुएं में पाए जाते हैं, खासकर वाष्पशील कार्बनिक पदार्थ।

निष्कर्ष यह है कि गांजे का धूम्रपान भी उतना ही खतरनाक है जितना तंबाकू का धूम्रपान। ***(स्रोत विशेष फीचर्स)***

## स्रोत के ग्राहक बनें, बनाएं

*वार्षिक 150 रुपए* *द्वैवार्षिक 275 रुपए* *त्रैवार्षिक 400 रुपए*